CLASS ⇒(4) (imp) मध्यकालीन ⇒ विजयनगर और बहमनी साम्राज्य (V.V.V. imp.)

PARMAR SSC

➤ ये दोनो दक्षिण भारत के साम्राज्य है अभी तक दिल्ली सल्तनत को पढ़ रहे थे जोकि उत्तर भारत तक ही सीमित था।

➤ इस कक्षा में मुख्यतः दक्षिण भारत का अवलोकन करेंगे। यानि कि mainly नर्मदा नदी के नीचे का साम्राज्य।

विजयनगर साम्राज्य [1336-1565 ई. तक]

→ साम्राज्य का मतलब वंश नही होता है; जिस प्रकार हमने सल्तनत देखा उसमें कई सारे वंश आए इसी प्रकार

अवस्थिति (LOCATION) :-

➤ अवस्थिति (Location) :→ कृष्णा नदी से लेकर पूरा दक्षिण तक फैला हुआ था।

➤ विजयनगर साम्राज्य में चेर, चोल, पांड्य, पल्लव ये वंश exist किया करते थे।

➤ पहले के समय में ये जो वंश exist करते थे उन्ही का समागम हो गया है और उस समागम/संगम से मिलकर बन गया है →विजयनगर साम्राज्य

➤ कृष्णा नदी है और उसके नीचे उसकी सहायक नदी (tributary) है तुंगभद्रा; कृष्णा और तुंगभद्रा का जो दोआब है ये काफी उपजाऊ था।

➤ राजधानी → हम्पी (जोकि वर्तमान में कर्नाटक मे पड़ती है तुंगभद्रा नदी के किनारे)

➤ इसी हम्पी में इस विजयनगर साम्राज्य के अवशेष मिले।

Q→ किसने पहले बताया कि विजयनगर साम्राज्य यहाँ पर exist करता था।

A → हम्पी के अवशेष सन 1800 ई. में प्रकाश में लाए गए एक इंजीनियर और पुरातात्त्विक {कॉलिन मैकेन्जी} द्वारा। ये एक अंग्रेज थे। (imp.)

➤ इस साम्राज्य को हम्पी नाम के द्वारा भी जाना जाता है क्योंकि यही one of the most important cities थी और राजधानी शहर भी था।

➤ हम्पी नाम स्थानीय देवी पम्पादेवी (Pampadevi) के नाम से पड़ा।

➡ जबकि इतिहासकार विजयनगर साम्राज्य शब्द का उपयोग करते थे, समकालीन लोगो ने इसका वर्णन किया → कर्नाटक साम्राज्यमऊ

- उदा÷ यहाँ पर उसी time पर उडीसा में गजपति शासकों का शासन हुआ करता था वो उनको कर्नाटक साम्राज्यम् के नाम से जानते थे।

➡ विजयनगर साम्राज्य जो था उसके just ऊपर था → बहमी साम्राज्य

➡ विजनगर के ऊपर शासन कर रहे थे → बहमनी लोग

➡ इन दोनो (विजयनगर साम्राज्य और बहमनी साम्राज्य) के बीच में हमेशा लड़ाई चलती रहती थी

➡ लड़ाई 3/4 मुख्य कारणों को लेकर थी
- → कृष्णा और तुंगभद्रा के बीच रायचूर दोआब क्षेत्र था
- → मुख्य बंदरगाह शहरो (Port cities) को नियंत्रित करना।
- → Arabian Horses मे जो व्यापार करते थे व्यापारी उनको बोलते थे {कुदुराई चिट्टी}

➡ व्यापारियों के स्थानीय समुदायो (local communities) को जाना जाता था → कुदिराई चिट्टी
- → ये मुख्यत: घोडो का व्यापार करते थे।

➡ अपनी उत्तरी सीमा पर, विजयनगर के राजाओं ने समकालीन शासको के साथ प्रतिस्पर्धा की → जिसमे दक्कन के सुल्तान (बहमनी सुल्तान → अश्वपति बोला जाता था) और उडीसा के गजपति शासक शामिल थे।
- → जिसके पास बहुत सारे हाथी हो

स्थापना÷

➡ विजयनगर साम्राज्य और शहर की स्थापना हरिहर और बुक्का (संगम (पिता) के पुत्र) द्वारा की गयी थी, जो काकतीय के सामंत (Feudatories) (Imp.) थे और बाद में काम्पिली के दरबार में मंत्री बने। इनके पिता के नाम पर ही पहला वंश बना था → संगम वंश (Imp.)
- → Land owner हुआ करते थे।

➡ 1336 ई में विजयनगर साम्राज्य की स्थापना हुयी। (Imp.)

➡ ये लोग पहले काकतीय शासको के अधीन काम कर रहे थे।

PARMAR SSC

→ काकतीय शासको के कमजोर होने पर विजयनगर वालो ने अपनी autonomy को स्थापित कर लिया।

→ विजयनगर साम्राज्य दक्कन में बहमनी साम्राज्य के दक्षिण में स्थित था।

→ कृष्णा नदी प्राकृतिक विभाजक (Natural Divide) की तरह काम कर रही थी → बहमनी साम्राज्य और विजयनगर साम्राज्य के बीच में

→ विजयनगर काल को चार अलग-अलग राजवंशो में विभाजित किया जा सकता है
- → संगम संजवंश
- → सालुव राजवंश
- → तुलुव राजवंश
- → अराविडु राजवंश

राजवंश / वंश	शासनकाल (Period)	संस्थापक
• संगम	1336 - 1485 ई. तक	हरिहर और बुक्का
• सुलुव	1485 - 1505 ई. तक	सलुव नरसिम्हा
• तुलुव	1505 - 1570 ई. तक	वीर नरसिम्हा
• अराविडु	1570 - 1650 ई. तक	तिरुमाला

संगम वंश (1336-1485 ई. तक)

हरिहर और बुक्का :

→ संस्थापक : हरिहर और बुक्का (1336-1356 ई. तक), इब्नबतूता समकालीन आया इनके दरबार में (MBA)

देवराय II (1423-1456 ई. तक) :

→ देवराय द्वितीय के शासनकाल के दौरान अब्दुर रज्जाक (Persian यात्री) ने विजयनगर साम्राज्य का दौरा (visited) किया। ईरान (वर्तमान में)

सलुव वंश (1486-1505 ई. तक)

सलुव नरसिम्हा (1486-1491 ई. तक) :

→ सलुव वंश के संस्थापक → सलुव नरसिम्हा

→ संगम वंश के अंतिम शासक को मारकर गद्दी पर बैठते है

तिरुमल (1491) और इम्मादी नरसिम्हा (1491-1505 ई. तक) ÷ Not Imp

तुलुव वंश (1505 ई.—1570 ई. तक)

वीर नरसिम्हा ÷ (1505-1509 ई. तक)

संस्थापक → वीर नरसिम्ह

सन किसकी याद करनी
- विजयनगर का स्थापना वर्ष
- तुलुव का स्थापना वर्ष
- तुलुव का अन्तिम वर्ष

कृष्णदेव राय (1509-1529 ई. तक) ÷ Imp.
VVV. Imp.

- कृष्णदेव राय न केवल तुलुव वंश बल्कि पूरे विजयनगर साम्राज्य के greatest शासक थे।
- वीर नरसिम्हा के मुख्यमंत्री सलुव तिम्मा ने वीर नरसिम्हा के भाई कृष्णदेव राय को गद्दी पर बैठाया।
- कृष्णदेव राय ने विजयमहल (विजय का घर House of victory), हजारा राम मंदिर और विटठ्ल स्वामी मंदिर का निर्माण कराया। ये दोनो मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है।
- विजयनगर → (जीत का नगर City of victory)

उदयगिरि की गुफाओ के बाहर भगवान विष्णु का एक अवतार है → बोर (Boar) उसका architecture बना हुआ है कि वो किस तरीके से Mother Goddess Earth को protect कर रहे है

- काफी सारे मंदिर बहमनी सुल्तान (दक्कान के सुल्तान) ने नष्ट कर दिए थे।
- कृष्णदेव राय ने यवनराज स्थापनाचार्य (या → यवनराजप्रिया) (यवन साम्राज्य अर्थात बीदर साम्राज्य को पुनस्थापित करने वाला) और अभिनव भोज की उपाधियाँ धारण की।
- कृष्ण देवराय को आंध्र भोज और आंध्रपितामह के नाम से भी जाना जाता है।

[वो लोग जो मध्य एशिया (Central Asia) से आए थे]
(या) Greeks को बोला जाता था

- बहमनी सुल्तान → इस्लामिक शासन (मुस्लिम शासक) थे जोकि मध्य एशिया से आए थे।
- कृष्णदेवराय के समय विजनगर साम्राज्य और बहमनी साम्राज्य के बीच बहुत ज्यादा लड़ाईयाँ भी नही हुई

- सम्राट कृष्णदेव राय ने एक Suburban township स्थापित की → नागलपुरम (विजयनगर के पास) → अपनी माँ के नाम पर

- कृष्णदेवराय तेलुगु और संस्कृत दोनों में एक प्रतिभाशाली विद्वान थे, जिनमें से केवल दो रचनाएं मौजूद हैं : राजनीति (Polity) पर तेलुगु काम → "अमुक्तमाल्यदा" और संस्कृत नाटक "जाम्बवंती कल्याणम्"।
  - "अमुक्तमाल्यदा" → एक statecraft है ask (SSC CGL)
  - → जिसमें लिखा हुआ है कि एक ruler (शासक) को कैसे शासन करना चाहिए
  - → किन ethics और moral principles को follow करना चाहिए।

- पुर्तगाली यात्री डुआर्टे बारबोसा और डोमिनिगो पेस ने कृष्णदेव राय के समय में विजयनगर का दौरा किया।

- कृष्णदेव राय का दरबार अष्टदिग्गज (8) द्वारा सजा हुआ रहता था।
  - → जिनमें से एक थे → तेनालीराम

- कृष्णदेवराय के बाद के शासक कोई खास नहीं थे

> नवरत्न = चंद्रगुप्त II के दरबार में (विक्रमादित्य)

अराविडु वंश (1570-1650 ई. तक)

- अराविडु वंश के स्थापना से पहले ही (1565 में) एक युद्ध हो गया

- हुआ ये कि विजयनगर साम्राज्य में एक अमरनायक प्रशासन चलता था।

- जो विजयनगर साम्राज्य का शासक हुआ करता था उसका नाम था → राय (Raya)
  - राय (Raya) → के अधीन होता था → नायक (military chief होता था)
  - इनको rule करने के लिए part of land दी जाती थी

- जैसे ही राय कमजोर हुए तो ये नायक अपनी-अपनी autonomy स्थापित करने लगे इसकी वजह से; इसीलिए ये week हो गया ये तुलुव राजवंश

PARMAR SSC

- 1565 → तालीकोटा का युद्ध (अराइविडु राजवंश की स्थापना से पहले)
  - इस नाम से भी जाना जाता है → **Battle of Rakshasi Tangdi**
- अंतिम शासक ÷ श्री रंगा तृतीय (1678 ई.)

सदाशिव राय (तुलुव के कठपुतली शासक) → आलिया राम राय (मुख्यमंत्री)
- दक्कन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना
- SSC के अनुसार ÷ अराविडु का अंतिम शासक हो सकता है

प्रशासन ÷

- अमारा नायकस → राय शासक
  - अन्तर्गत → नायक : सैन्य प्रमुख

आयंगर प्रणाली (Ayangar System) ÷

- ग्राम समिति → 12 सदस्य

यात्रियो ने दौरा किया ÷

- इब्न बतूता → हरिहर और बुक्का
- डुआर्ट बारबोसा, डोमिंगो पेस → (KDR) → कृष्णदेव राय
- निकोलो डी कोंटी ÷ → देव राय प्रथम
- अब्दुर रज्जाक ÷ → देव राय द्वितीय
- फर्नाओ नुनिज → अच्युत राय

वास्तुकला (Architecture) ÷

- महानवमी डिब्बा
- कमालापुरम टैंक (Stepped tank)
  - → कोर द्वारा
- कमल मंदिर (Lotus temple)/लोटस टेंपल
- हाथी अस्तबल (Elephant stable)
  - → 11 हाथी बनाए गए
  - → संभवतः कृष्णदेव राय (KDR) द्वारा बनाया गया।

PARMAR SSC

बहमनी साम्राज्य

अलाउदीन हसन बहमान शाह (1347 से 1358 ई. तक) ÷

- संस्थापक → अलाउद्दीन हसन बहमान शाह
- राजधानी → गुलबर्गा (पहली राजधानी) जिसे हसन गंगू के नाम से भी जाना जाता है।
- पराजित → वारंगल के काकतीय

तजुद्दीन फिरोजाबाद शाह (1397 - 1422 ई. तक) ÷

- इसने देवराय प्रथम को हराया और उसके बाद के युद्ध में हार गया।

अहमद शाह वली (1422 से 1435 ई. तक) ÷

- राजधानी को गुलबर्गा से बीदर स्थानांतरित किया।

बहमनी साम्राज्य का 5 राज्यों में विभाजन * (राजवंश)

क्रम सं.	5 साम्राज्य	वर्ष	संस्थापक	राजवंश	अनुलग्नक (द्वारा) Annexation (by)
1.	बरार	1484	फतेउल्लाह इमादशाह	इमादशाही	1574 (अहमदनगर)
2.	बीजापुर	1489	युसुफ आदिलशाह	आदिलशाह	1686 (औरंगजेब)
3.	अहमदनगर	1490	मलिक अहमद	निजामशाही/निजाम	1633 (शाहजहाँ)
4.	गोलकुंडा	1518	कुली कुतुब शाह	कुतुबशाही	1687 (औरंगजेब)
5.	बीदर	1526-27	अमीर अली बरीद	बरीद शाही	1610 (बीजापुर)

PARMAR SSC

इब्राहिम आदिल शाह ÷

→ प्रस्तुत ÷ फारसी के स्थान पर दक्खिनी को अदालत की भाषा के रूप में।
(Introduced)

→ गोल गुम्बज का निर्माण मुहम्मद आदिल शाह ने करवाया था।

→ के लिए प्रसिद्ध ÷ ट्विस्परिंग गैलरी

वास्तुकार किया गया → दाबुल के याकूत द्वारा
(Architect By)

→ कुली कुतुब शाह ने प्रसिद्ध गोलकुंडा किला बनवाया।

→ गोल गुम्बज → दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा (Second largest in the world)

→ गोलकुंडा किला

* मुहम्मद कुली कुतुब शाह *

→ कुतुबशाही वंश का सबसे महान शासक

→ हैदराबाद शहर की स्थापना की, जिसे मूल रूप से सुल्तान की पसंदीदा भाग्यमती के नाम पर भाग्यनगर के नाम से जाना जाता था

→ मुहम्मद कुली कुतुब शाह ने प्रसिद्ध चारमीनार का भी निर्माण कराया

PARMAR SSC